



वर्ष-27 अंक : 344 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) फालुन शु. 8 2079 सोमवार, 27 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली के डिप्टी सीएम सिसोदिया गिरफ्तार

शराब नीति केस में सीबीआई ने 8 घंटे पूछताछ की

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। शराब नीति केस में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने रखिवार शाम गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने 8 घंटे लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया। बताया गया है कि आबकारी विभाग के एक आईएस अफसर ने सीबीआई की पूछताछ में सिसोदिया का नाम लिया था। अफसर ने कहा, सिसोदिया ने ऐसी शराब नीति बनाई थी, जिससे सरकार को मुनाफा नहीं हो, व्यापारियों को माटा फायदा हो। इसी बयान के आधार पर सिसोदिया से पूछताछ की गई थी।



सूखों की मानें तो अफसर ने सिसोदिया पर सबूत नहीं करने का भी आपात लगाया था। सीबीआई ने सिसोदिया और अफसर को आमने-सामने भैठकार पूछताछ की तो, उन्होंने कई बातों के जवाब नहीं दिए। यही सिसोदिया की गिरफ्तारी की बजह बनी। सिसोदिया को कल कोटी में पेश किया जाएगा। इससे उक्ता मेंडिकल टेस्ट होगा। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई मुख्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अपने कहा, सिसोदिया को सरकारी स्कूलों सुधारने की सजा मिली।

अपने प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा, मनीष के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला, परन्तु गिरफ्तारी कैसे हुई। दोनों चार्जशीट में सिसोदिया का नाम नहीं है। अब

सीबीआई कोट में कहाए, ये बड़े प्रभवी हैं। इसलाएं इन्हें जाच होने वाले जैसे रखें। भाजपा नेता कपिल मिश्र ने द्वीप किया, मैं शूरु से कह रहा हूं के जरीवाल, मनीष सिसोदिया और सल्टेंड्रॉजैन जैसे दो लोग जेल जा चुके, अमाला नंबर के जरीवाल का है। संबिंधित पात्रों बोले, सिसोदिया दुनिया के पहले शिक्षा मंत्री जो शराब घोटाले में ऑरेस्ट हुए। भाजपा प्रवक्ता संबिंधित पात्रों ने कहा, सिसोदिया पहले ऐसे शिक्षा मंत्री हैं जो शराब घोटाल में गिरफ्तार हुए हैं। उन्होंने स्कूल के आसपास शराब टक्काने खुलावाकर बच्चों को जिंदगी से खिलाफ किया।

केवल कमीश के लिए आप आदमी पार्टी के राजसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, सिसोदिया की गिरफ्तारी तानाशाही की इंदेहा है। वहीं, आप आदमी पार्टी में ड्यूटी कर लिया, यह लोकतंत्र के लिए काला दिन।

भाजपा ने कहा, अगला नंबर के जरीवाल का

भारतीय जनता पार्टी के नीति को

आनन्द-फानन में वापस लिया गया।

सिसोदिया के घर पहुंचे दिल्ली

और पंजाब के सीएम

मनीष सिसोदिया को गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान उनके घर पहुंचे हैं। उन्होंने उनके मां और पत्नी समेत अन्य परिजन से मूलाकात की। उन्होंने कहा, संवर्ध में पर्टी पार्टी उनके परिवार के साथ है। सिसोदिया ने सुबह द्वीप किया था कि मेरे परिवार का ध्यान रखिया। इस पर केजरीवाल ने लिया था, मनीष चिंता मत करो, हम परिवार का ध्यान रखेंगे।

मां का आशीर्वाद लेकर निकले थे सिसोदिया, 15 मिनट लेट

सीबीआई दफ्तर पहुंचे

जांच में शामिल होने के लिए सिसोदिया घर से निकलो से पहले ऐसे अपनी मां से मिले और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद रोड घोटाले में ऑरेस्ट हुए। भाजपा के घर घोटाले में लिया गया। जबकि प्रवक्ता संबिंधित पात्रों ने कहा, सिसोदिया पहले ऐसे शिक्षा मंत्री हैं जो शराब घोटाले में गिरफ्तार हुए हैं। उन्होंने स्कूल के आसपास शराब टक्काने खुलावाकर बच्चों को जिंदगी से खिलाफ किया।

केवल पात्रों बोले, सिसोदिया दुनिया के पहले शिक्षा मंत्री जो शराब घोटाले में ऑरेस्ट हुए।

भाजपा प्रवक्ता संबिंधित पात्रों ने कहा, सिसोदिया पहले ऐसे शिक्षा मंत्री हैं जो शराब घोटाले में गिरफ्तार हुए हैं। उन्होंने स्कूल के आसपास शराब टक्काने खुलावाकर बच्चों को जिंदगी से खिलाफ किया।

केवल पात्रों बोले, सिसोदिया दुनिया के पहले शिक्षा मंत्री जो शराब घोटाले में ऑरेस्ट हुए।

भाजपा ने कहा, इससे उक्ता मेंडिकल टेस्ट होगा। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई मुख्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अपने कहा, सिसोदिया को सरकारी

स्कूलों सुधारने की सजा मिली।

अपने प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा, मनीष के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला, परन्तु गिरफ्तारी कैसे हुई। उन्होंने शराब घोटाले में ऑरेस्ट हुए।

भाजपा ने कहा, इससे उक्ता मेंडिकल टेस्ट होगा।

पीएम मोदी ने नवनियुक्त दरोगाओं को किया संबोधित

बोले- डंडे से पहले दिल का करें इस्तेमाल

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी की राजनीति लखनऊ के रिवार को रोजगार में रखी थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9055 दरोगाओं को नियुक्त पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विशेष संदेश में कहा कि आपको समझ के प्रति संवेदनशील बना है। सरकार आपको डंडा देगी लेकिन उससे पहले प्रमाणात्मा ने दिल दिया है आपको सेवा और शक्ति का प्रतिबिंब बनाना है ताकि अपराधी भयभीत और शरीक आदमी निडर रहे। आपको समझ के प्रति संवेदनशील बना है।



अपराधी से दस कदम आगे चलना होगा। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और डीजीपी डीएस चौहान ने भी संबोधित किया।

उमेश पाल के परिजनों और सपा विधायक पूजा पाल में नोकझोंक

महिलाओं ने सुनाई खरीखोटी

प्रयागराज, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बीड़ियों ने रहा। ये बीड़ियों उमेश पाल के परिजनों से मुलाकात के समय का है। दरअसल, सपा विधायक ने एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उमेश पाल के राजू पाल के हत्याकांड से कोई लेनादेना नहीं है। जिसके बाद उमेश पाल के परिजन नाराज बताए जा रहे थे। इसके बाद शाम का प्रूज पाल, उमेश पाल के परिजनों से मिलने गई थीं। जिसके बाद उमेश पाल के शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लेकिन वीच सपा विधायक पूजा पाल की महिलाओं की विधायक पूजा पाल का एक बीड़ियों की खरीखोटी सुनाई।

मुवारकपुर कांड का मुख्य आरोपी विजय यादव गिरफ्तार, डीएसपी ने की पुष्टि

छपरा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बीड़ियों ने रहा। ये बीड़ियों उमेश पाल के हत्याकांड के मुख्य गवाह हो गए हैं। जिसके बाद उमेश पाल के शिनवार को दारांज घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। उमेश पाल और उनके सुरक्षकों संदीप निषाद की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लेकिन वीच सपा विधायक पूजा पाल की विधायक पूजा पाल का एक बीड़ियों की खरीखोटी सुनाई।

बीएसपी और सपा मान जाएंगे प्रियंका गांधी का संदेश

अखिलेश यादव और मायावती बदलेंगे फैसला?

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव और यूपी की राजनीति लखनऊ के रिवार को रोजगार में रखी थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9055 दरोगाओं को नियुक्त पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विशेष संदेश में कहा कि आपको समझ के प्रति संवेदनशील बना है। सरकार आपको डंडा देगी लेकिन उससे पहले प्रमाणात्मा ने दिल दिया है आपको सेवा और शक्ति का प्रतिबिंब बनाना है ताकि अपराधी भयभीत और शरीक आदमी निडर रहे। आपको समझ के प्रति संवेदनशील बना है।

कार्यक्रमों को भी दिया

संदेश

प्रियंका गांधी ने कहा, "चुनाव में एक साथ बचे हैं, जिनसे पार्टीयां विरोधी दलों के लिए बड़ा संदेश गया है। जिससे बाद सबल उठने लगा है कि क्या बीएसपी और समाजवादी पार्टी कांग्रेस महासचिव का ये संदेश मानेंगे? कांग्रेस महासचिव ने बीजेपी के खिलाफ लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी एकत्रिता का संघीय संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के महेन्द्रजर लोगों के बीजेपी की विरोधी सभी पार्टीयों से एकजुट होकर लड़ने की उम्मीद है, लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद कांग्रेस से है।" उन्होंने कहा कि संगठन को लेकर कड़ चौनीतियां हैं जिनसे निपटना है और गांग-गांग तक लोगों तक लाइफ लेकर सभी ज्यादा उम्मीद कांग्रेस से है।

कार्यक्रमों को भी दिया

संदेश

कांग्रेस नेता ने कहा, पार्टी का संदेश और सरकार को 'विफलता आ' की लोगों तक पहुंचाएं। राहुल गांधी ने

भारत जोड़ो यात्रा

की

विचारधारा की लंबी लकीर खींचकर दिखाई है। अब उनके इस बयान का

दिल

दिखाई है।

ज्योति जोड़ो यात्रा

की

दिल

दिखाई है।

ज्योति जोड़ो यात्रा

की</p

फिर अराजकता की ओर पंजाब

‘वारस पंजाब दे’ के मुख्य घाषत हान के बाद स अमृतपाल सिंह जिस तरह से खालिस्तान को लेकर पूरे पंजाब में अराजकता का माहौल बनाया है उससे वहां के अधिकांश युवाओं में उसके प्रति सहानुभूति की लहर उत्पन्न होने लगी है। उसे वहां के लोग अपना रहनुमा मानने लगे हैं। अगर इस धारणा में तनिक भी सच्चाई है तो समझा जा सकता है कि आने वाला कल कितनी बड़ी चुनौतियों से गुजरने वाला है। गुरुवार को पंजाब में अमृतसर के अजनाला थाने में जिस तरह के हालात हो गए थे, उससे एकबार गी यह लगा कि शायद राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज बची ही नहीं है। जिधर देखो सिर्फ अराजकता ही भारी पड़ती दिखाई दे रही थी। यह कहने में भी कोई संकोच नहीं कि इस तरह की अप्रत्याशित स्थिति कहीं भी आ सकती है, लेकिन अगर इस तरह की भीड़ के सामने पुलिस और शासन-व्यवस्था एकदम से हथियार डाल कर उपद्रवियों के सामने समर्पण कर दे तब ऐसे में आम जनता अपनी सुरक्षा की उम्मीद किससे और कैसे करेगी। खबरों के अनुसार वहां पुलिस ने लवप्रीत सिंह नाम के व्यक्ति को अपहरण समेत कई आरोपों में गिरफ्तार कर लिया था। लवप्रीत सिंह को वहां एक कट्टरतावादी सिख संगठन ‘वारिस पंजाब दे’ के प्रमुख अमृतपाल सिंह का करीबी माना जाता है। खबर मिलते ही उसे रिहा कराने के मकसद से हजारों समर्थकों के साथ अजनाला थाने का घेराव कर लिया गया। भीड़ में लोग बंटूक और तलवार व भालों से भी लैस थे। भीड़ के तेवर देख कर अंदाज लगाया जा सकता है कि वहां की मुट्ठीभर पुलिस की हालत क्या रही होगी। देखा जाए तो हिंसा पर उतारू प्रदर्शनकारियों से सीधे हिंसक तरीके से ही निपटना कोई बेहतर विकल्प नहीं माना जाता है, लेकिन एक तरह से समूचा प्रशासन ही मुकदर्शक रहे तो उंगली उठना स्वाभाविक है। हैरानी की बात यह है कि अजनाला थाने का घेराव दिखने में अचानक हुई घटना लगती है, मगर सच्चाई यह है कि इसकी पृष्ठभूमि कई दिनों से तैयार हो रही थी। इसके बावजूद पुलिस ने सुनियोजित तरीके से इस मामले से निपटने के लिए समय रहते कोई कदम नहीं उठाए। सवाल है कि क्या अपने एक व्यापक तंत्र के

बावजूद वहां की पुलिस को कट्टरतावादी संगठन के मुहे, उनके काम करने के तरीके और उसके संरक्षकों की प्रतिक्रिया का अंदाजा नहीं था? अगर किसी संवेदनशील मामले में पुलिस ने इस संगठन के किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया भी था, तो क्या इससे पहले पूरी तैयारी जरूरी नहीं थी? आखिर क्या वजह है कि थाने पर हमले के बाद पैदा हुई स्थिति में पुलिस को अपने आगे बढ़े कदम पीछे खींचने पड़े? लवप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के आधार कितने मजबूत थे कि अजनाला की एक अदालत ने उसे रिहा करने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया? अगर महज उसके समर्थकों के प्रदर्शन के दबाव में आकर पुलिस ने अपने कदम पीछे खींचे तो इसे कानून-व्यवस्था के लिहाज से उचित नहीं माना जा सकता। खास बात यह है कि 'वारिस पंजाब दे' और उसके मुखिया अमृतपाल सिंह को खालिस्तान से सहानुभूति रखने वाला माना जाता है। अगर इस धारणा में सच्चाई है तो समझा जा सकता है कि इस संगठन की चुनौती अब मौजूदा संदर्भों में किस रूप में खड़ी हो रही है। पंजाब में अतीत के दिन आज भी बहुत सारे लोग भूल नहीं सके होंगे और कोई नहीं चाहेगा कि वह त्रासदी फिर से खड़ी हो। लेकिन सरकार और पुलिस-प्रशासन का रवैया अगर बेहद सुनिश्चित, परिपक्व और सावधानी से भरा नहीं रहा तो आने वाले वक्त में छोटी-छोटी घटनाएं कैसा मोड़ लेंगी, कहा नहीं जा सकता! यह छिपा तथ्य नहीं है कि पंजाब में जब से आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तब से कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर कई बार ऐसी लचर व्यवस्था देखी गई है, माने आपराधिक तत्त्वों को बेलाम होने का मौका मिल गया हो। जबकि चुनावों के दौरान पार्टी ने राज्य की जनता से कानून-व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने से लेकर नशापुनिक जैसे कई बड़े वादे किए थे। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पंजाब देश का सीमावर्ती और संवेदनशील राज्यों में से एक है। ऐसे में मामूली कोताही की वजह से भी कोई साधारण समस्या जटिल शक्ति अखिलयार कर ले सकती है।

लेखकों के इमेल, कितना इलें

व ह संपादक थे.. बड़े ही प्रतिष्ठित समाचार पत्र के.. और वह समाचार पत्र की हृदय स्थली लेखकों की मथुरा -काशी संपादकीय पृष्ठ के कर्ताधर्थी भी थे । वही संपादकीय पृष्ठ जिस पर सभी फन्ने खां, तुर्म खां लेखकों की गिर्द दृष्टि गड़ी रहती है, लेखक संडास से भले ही बाद में फारिग होते हैं लेकिन सबसे पहले उस संपादकीय पृष्ठ के कोने कोने को पढ़कर फारिग होते हैं.. अपना नाम दूरबीन से तब तक खोजते रहते हैं जब तक उन्हें अपना लिखा हुआ ना मिल जाए.. इस अभियान में कभी मिल जाए तो खुशी और कभी ना करना पड़ता है । वह कभी भी बड़े लेखकों को नाराज करने का रिस्क नहीं ले पाता.. भले इस चक्कर में कई नवोदित प्रतिभासालियों की रचना कूड़ेदान में कराहने लगती है । जिस रचना रूपी पुष्प को खिलकर आकाश तक पहुंच जाना चाहिए वह बड़ी हस्ती के नाम के नीचे अल्पायु में ही प्राण त्याग जाती है । इतना ही झामेला होता तो संपादक कहीं ना कहीं संभाल लेता लेकिन कुछ लेखक तो फैविकोल के जोड़ से भी मजबूत जोड़ संपादक के साथ जोड़ लेते हैं, संपादक को सुबह शाम गुड मॉर्निंग मैसेज के साथ एक प्यारी सी स्माइली भेजता है । जिससे कि संपादक किसी भी हाल में माननीय को भूल न पाए, हर सोशल आईडी से जुड़े यह लेखक संपादक के सामान्य से पोस्ट को भी आसमान का

मिले तो गम.. ।
लेखकों को लगता है कि उनकी रचनाओं को स्थान न देकर सिर्फ उनके साथ अन्याय किया जा रहा है.. लेकिन संपादक पर तो सबसे ज्यादा अत्याचार हो जाता है.. और वह कह भी नहीं सकता। इस धरती का नियम भी अजीब है जितने बड़े लोग इतना बड़ा दुख और जितने छोटे लोग उतना छोटा दुख। क्योंकि नए लेखकों की रचना को तो संपादक टाल भी सकता है पर प्रतिष्ठित और बड़े हस्तियों की रचनाओं को नजरअंदाज करने का साहस तो खुद संपादक के पास भी नहीं होता। अखिर वह नजरअंदाज करें भी तो भला कैसे करें... बड़े लोग बड़ी जान -पहचान.. रात दिन का मिलना जुलना बड़े लोगों का नाम बिकता है काम कौन देखता है । तो कभी कभी अनिच्छा होने पर भी इच्छा पैदा तारा- सितारा बता बता कर संपादक को ना नहीं कह पाने की निरीह अवस्था में पहुंचा देते हैं। कुछ माननीय लेखक तो अपने.. अपनेपन का पिटारा लेकर घर तक पहुंच जाते हैं और बच्चों के प्रिय चाचा और भाई जी के दुलरवा भी बन जाते हैं अब बेचारा संपादक वह भी तो बाल बच्चे दार परिवार बाला है। पत्नी के आगे भला किसकी चली है जब गृह मंत्रालय से आर्डर पास हो जाए तब बड़ा से बड़ा तीस मार खान भी सरेंडर कर देता है बेचारा संपादक जाए तो कहां जाए.. करें भी तो क्या करें । आखिर वह भी हार मान कर लेखक की मन चाही मुराद पूरी कर देता है भले इसमें कितने प्रतिभा शालियों की प्रतिभा मेल के डस्टबिन में चली जाती है । उनकी प्रतिभा संपादक के मेल बॉक्स से बेदर्दी से रिमूव कर दी जाती है.. ।



୪୩୩

का जारा रखने का पक्ष म हा सुप्रीम काट इसे संवैधानिक मानता है, जबकि केन्द्र सरकार जजों की नियुक्ति को अपना अधिकार या अपनी विशिष्ट भूमिका रूपी संवैधानिक अधिकार मानती है। यह बहस पिछले लगभग दो-ढाई दशकों से चल रही है, इस बहस को भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जो स्वतः एक बड़े वकील भी रहे हैं ने राज्यसभा में यह कहकर हवा दी है कि राष्ट्रीय न्यायालयिक नियुक्ति आयोग (एन.जे.ए.सी.) के कानून को वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा खारिज करना उचित नहीं था तथा वह जनादेश का असम्मान करने वाला कदम था। क्योंकि उसे लोकसभा और राज्यसभा ने पास किया था। भारत के विधि मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने भी कॉलेजियम सिस्टम को जन विरोधी कहा था जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में 4-1 के बहुमत से एन.जे.ए.सी. कानून को अवैध कहकर निरस्त कर दिया था। सबसे पहले तो जजों को नियुक्ति के लिये संविधान के अनुच्छेद-124(2) और 217(1) को देखें जिसकी व्याख्या को लेकर केन्द्र और न्यायपालिका में टकराव है। अनुच्छेद 124(2) के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

और अन्य अधिकृत न्यायाधीशों के परामर्श से की जायेगी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति अनु. 217 (1) के अनुसार भारत के मुख्य न्यायाधीश, राज्य के राज्यपाल और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद राष्ट्रपति द्वारा की जायेगी। सुप्रीम कोर्ट ने जो कॉलेजियम प्रणाली बनाई है उसके अनुसार केन्द्र सरकार कॉलेजियम के द्वारा स्वीकृत सूची को इंकार कर सकती है परन्तु अगर कॉलेजियम पुनः उन्हीं नामों को भेजता है तो फिर केन्द्र को उसे मानना होगा। दरअसल अनु. 124(2) और 217(1) की व्याख्या को लेकर यही मूल मतभेद है और अप्रत्यक्ष रूप से न्यायपालिका और सरकार अपनी-अपनी श्रेष्ठता नियुक्तियों में कायम रखना चाहती है। कॉलेजियम प्रणाली 1950 में संविधान लाग गये होने के समय विकसित नहीं हुई थी और 1990 के पहले तक तो केन्द्र सरकार की परसंद नापरसंद ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति का आधार होती थी। 1976 में आपातकाल में भारत सरकार ने तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों की वरिष्ठता को नकारते हुये श्री एन. राय को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था। कहा जाता है कि इन तीन न्यायाधीशों ने केन्द्र बनाम केशवानन्द भारती प्रकरण में केन्द्र के कानून के खिलाफ निर्णय दिया था। जिसके लिये उन्हें तत्कालीन केन्द्र सरकार ने दण्डित किया था और श्री राय की नियुक्ति के बाद उन्होंने उस मामले पर बगैर किसी याचिका के केवल मौखिक अनुरोध के आधार पर सुनवाई की तथा पुरानी बैच को रद्द कर एक नई पीठ का गठन किया। जिसने सरकार के अनुकल फैसला दिया। यह एक प्रकार से स्वतंत्र न्यायपालिका को सत्ता समर्पित और प्रतिबद्ध न्यायपालिका में बदलने की शुरूआत थी। 1990 के बाद सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की नियुक्ति में अपनी दखल को बढ़ावा तथा कॉलेजियम प्रणाली को संवैधानिक व्यवस्था का दर्जा देकर नियुक्तियों में अपनी श्रेष्ठता कायम की। उस समय केन्द्र में मिली जुली जोड़-तोड़ और अस्थिरता की सरकारें थी। इसलिये इस निर्णय को केन्द्र ने आसानी से स्वीकार कर लिया। शायद कॉलेजियम निर्णय के पीछे एक सामाजिक श्रेष्ठता का भी कारण है। 1990 में मण्डल कमीशन की कुछ सिफारिशों को लागू किये जाने के बाद समाज और सरकार के एक हिस्से में और न्यायपालिका में आरक्षण और हिस्सेदारी की मांग तेज हुई थी। देश की जाति व्यवस्था की श्रेष्ठता को, आरक्षण के प्रयोग को बचाये रखने का केन्द्र और न्यायपालिका के बीच यह अलिखित सहमति जैसी थी और जिसके प्रमाण पिछले दो तीन दशकों के निर्णयों में नजर आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति के न्यायाधीश की नियुक्ति के लिये अटल सरकार पर तत्कालीन राष्ट्रपति के आर. नारायण का भारी दबाव था। यहां तक की उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से अपनी राय और इच्छा को व्यक्त किया था। उनके दबाव में एक अनुसूचित जाति के न्यायाधीश की नियुक्ति हुई जो बाद में मुख्य न्यायाधीश बनै। परन्तु यह भी एक कटु सत्य है कि उन्होंने न्यायपालिका के वर्गीय चरित्र में बदलाव करने का कोई प्रयास नहीं किया। अपना कार्यकाल उन्होंने आत्म संतुष्ट होकर गुजारा। एक न्यायाधीश कर्णन ने अपनी रक्षा के लिये जाति को आधार और तर्क भी बनाया। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के जज रहते हुये सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को ही स्वप्रेरणा से तलब करने का आदेश जारी कर दिया। उनका यह कदम घोर अविवेकी, असंवैधानिक और अमर्यादित था। देश में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट से सदैव वरीय है और माना भी जाना चाहिये। जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने दण्डित किया तो उन्होंने जातीय तर्क देकर अपनी न्युट्रिटिव को उचित बताने का प्रयास किया। ये दो प्रकार की प्रवृत्तियां न्यायालय के समावेशी चरित्र का निर्माण नहीं होने दे रही हैं। यह भी एक तथ्य है कि देश की उच्चतम न्यायपालिका में एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी., आदि की संख्या मात्र 15 प्रतिशत है। महिला न्यायाधीशों की नियुक्ति भी अभी कुछ बढ़ी है, परन्तु उनकी आबादी की तुलना में वह बहुत कम है। कहा जा सकता है कि न्यायपालिका में जाति लैंगिक आधार नहीं देखना चाहिये पर दूसरा पक्ष भी यह कह सकता है कि क्या इन वर्गों में योग्यता या योग्य व्यक्ति नहीं है और इसलिये एक संतुलन की आवश्यकता है। अमेरिका की न्यायिक प्रणाली में भी रंग और नस्ल आधारित संतुलन कायम करने के कदम उठाये गये हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और आपातकाल के जनक माने जाने वाले स्व. संजय गांधी के सुपुत्र वरुण गांधी ने भी न्यायपालिका को लेकर चिंता व्यक्त की है। जयराम रमेश ने तो यहां तक कहा कि सरकार न्यायपालिका को दबाना चाहती है। उनका आंकलन अनुभव जनित व सही हो सकता है क्योंकि जिन सरकारों में वे रहे हैं वे भी समय-समय पर न्यायपालिका को दबाने का प्रयास करते रहे हैं। परन्तु सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष तथा न्यायपालिका व सत्ता पक्ष विवाद से हटकर भी एक महत्वपूर्ण जनपक्ष है और उनकी समस्याएं और शंकाओं के संबंध में न्यायपालिका, सत्ता, विपक्ष और संसद को विचार करना चाहिये। शीर्ष न्यायाधीशों को कानून से जो मुक्ति मिली है क्या वह उचित है? न्यायाधीशों के लिये दण्डित करने या हटाने को महाभियोग का प्रावधान है परन्तु आजतक क्या किसी न्यायाधीश के ऊपर महाभियोग पारित हो सका? एक न्यायाधीश जो दक्षिण के थे उनके विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव आया। दक्षिण के क्षेत्रीय संसद एकजूट हो गये और प्रधानमंत्री स्व. नरसिंह राव के ऊपर दबाव बनाया। न्यायाधीश महोदय का एक बयान आया कि वे त्याग पत्र दे रहे हैं।

ਕਿਥੋਂ ਖਰੀਦਕਰ ਪਢੀ ਜਾਣੇਂਗੀ ਕਿਤਾਬੇ ?



आर.के.सिन्हा

जुग्राल प्रख्यात चित्रकार
तिं चित्रकार थे। पर कितने
को पता है कि वे एक
मर्मी आर्किटेक्ट भी थे।
राजधानी में बेल्जियम
को डिजाइन किया था। इसे
न के लिहाज से अप्रतिम
माना जाता है। पर चूंकि
में कोई आर्किटेक्चर की
ही नहीं मिलेगी, तो हिंदी
को कैसे पता चलेगा कि
गुजराल कौन थे या भारत
से विशाल मंदिरों में से एक
नी के अक्षरधाम मंदिर का
न करने वाले आर्किटेक्ट
थे? अक्षरधाम मंदिर को
में जन्मे आर्किटेक्ट विक्रम
डिजाइन किया था। इनके
जे.के. लाल भी महान
राल इंजीनियर थे। मेरे
आवास अन्नपूर्णा भवन भी
रोनों बाप-बेटे ने डिजाइन
था। आपको मूर्तिशिल्प
मूर्तिशिल्पियों पर हिंदी में
ही कोई किताब मिले। इस
से हिंदी और अन्य
में भी बेहद खराब स्थिति
सुतार के बारे में हिंदी में
किताबें हैं? राम सुतार
सात-साढ़े सात दशकों से
बना रहे हैं। उन्होंने ही
पटेल की चित्रित प्रतिमा
आफ यूनिटी भी तैयार
राम सुतार की तराशी
ओं में गति व भाव का
र समन्वय रहता है। पर
आपको कोई किताब नहीं
। राम सुतार निस्संदेह
क भारतीय मूर्ति कला के
महत्वपूर्ण हस्तक्षरों में से
ने जाएंगे। अब महान
र देवी प्रसाद राय चौधरी
बात हो जाए। उनकी
य कृति है राजधानी में
रायरह मूर्ति। यह राष्ट्रपति
में रहता है।

जिसने पटना में द स्मारक को नहीं से भी चौधरी ने ही गहीद स्मारक सात एक जीवन-आकार जो पटना में बिहार जीवन के बाहर स्थित थे औं ने भारत छोड़े (अगस्त 1942) में का बलिदान दिया भवन पर राष्ट्रीय या था जो अब बन है। चौधरी की देखकर अंखें नम सदाशिव साठे ने शहरों में जांसी की वार्ड की कमाल की हैं। इन अश्वारोही न जाने कितने मुग्ध होकर निहारा गोड़ा दो पैरों पर तमा तभी रहेगी जब ए पूँछ को मजबूत दिया जाए, यह बात वाले मूर्तिकार उ समझते थे। वे तिमाएं गढ़ने में। पर इन पर भी इ किताब नहीं दुर्भार्यपूर्ण स्थिति न्ति है। हिंदी के इस बाबत पहल वे आगे आएं और उनके बाद स्तरीय नखें तो बात बने। देश का आवादी के बसे विशाल समाज कोई शक नहीं हो साथ बहुत बड़ी कि यहां पर किताबें यंकर रेग हैं। यहां बक से आग्रह करता बह उसे किताबें भेट न महान पाठकों से

शिक्षा का सफर चाय और पकौड़े के साथ



देष की गाथा

आ ज जाती उससे कहीं अधिक महत्व शिक्षा हम उसका हमारे लिए हो ही जाता सभी के लिए है। जैसे एक अध्यापक का कार्य हो सकता है मैं पैसा कमाने के लिए शुरू करूं, लेकिन धीरे-धीरे वह कार्य बच्चों का भविष्य 2022 में बनाने की दिशा से जुड़ जाएगा। हमारे भारत एसे में जब हम किसी सोशल महत्वपूर्ण हो गई है जहां महत्वपूर्ण हो गई है जहां 2022 में हमारे भारत दर 77.7% है। भारत की 2021 में 73% थी में करीब 5 वर्षों में करीब 5 वर्षों में युवा पीढ़ी को या ज्ञान देते हुए नजर आते हैं कि आप पढ़ाई लिखाई छोड़ कर चाय की टपरी पकोड़े की कढाई में कूद पड़े क्योंकि बड़ी-बड़ी डिप्रियों से तो पैसा मिलेगा ही नहीं और आपका समय ही बर्बाद होगा तो कहीं ना कहीं हम अपने भविष्य के साथ ही खेल रहे हैं। ऐसा तो नहीं है कि आज चाए बैचेन वाला अपने बच्चों को पढ़ने के लिए किसी स्कूल या कॉलेज में नहीं भेज रहा और यदि उसके बच्चे किसी स्कूल कॉलेज में जा रही हैं तो वहां वही लोग पढ़ा रहे हैं जो चाय की टिप्पणी या पकौड़ी की कढाई में नहीं कूदे हैं।

जिन्होंने पैसों के हिसाब से ज्यादा महत्वपूर्ण शिक्षा को समझा है। आज जब सोशल मीडिया पर आकर छोटे-छोटे कार्य करने वाले युवा पीढ़ी के वहां तबका युवा पीढ़ी को ज्ञान देता है कि शिक्षा से हमारा घर नहीं चलेगा शिक्षा हमें नौकरी नहीं देती है, तो भूल जाती है कि यह शिक्षा ही के कारण आज सोशल मीडिया पर ज्ञान बांट रहे हैं। किसी व्यक्ति की शिक्षा के चलते ही आज सोशल मीडिया बना है और जिस सोशल मीडिया को वहां इंटरनेट के द्वारा चला रहे हैं। वह

इंटरनेट भी शिक्षा के कारण ही है साथ ही साथ जिस फोन कंप्यूटर लैपटॉप इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक सामानों का प्रयोग वह आज अपनी कार्य का प्रदर्शन करने के लिए कर रहे हैं उसका अविक्षाकार भी शिक्षा के

न दखन का स्तुत नहीं है। सोचती हूँ कि जो महत्व पूर्ण उम दूसरे कार्य रहे हैं, तब में आता है। का आधार व्यांत रुपया ही नौकरी या को कार्य पैसा किए जाते हैं। और अपने न पोषण कर रुप से यही बह हम किसी भी में जाते हैं। यप बिजनेस या न का हिस्सा वल वहाँ पैसा आधार नहीं रह

सब समय समय की बात है



लिए गए गें पाठ्य-

ऐसा नहीं है कि सूरज के लिए दिन में तो चाँद के ईंधटी-बढ़ती के किसी ओर तो होता होगा। ऐसेरी जान! यहाँ इबल, गुरुग्रन्थ बातें समझ में बंहगाई की बात आती है। वैसे माग की बातें ड़ा नाक-भौंन पेट की बात मझ जाता है। अतक बनाए न पून्य पर ही क्यों अब कोई फर्क को महंगाई के बोवाज मिला है, बहल्ला, बस्ती,

गली हर जगह शतक बनाने नहीं चूकता। वह दिन दूर न जब सैचन तेंदुलकर के रनों व अंबार महंगाई अपने अकेले दम पर तोड़कर नए-न कीर्तिमान स्थापित करेगा। त हमारे पास प्रसंशा के नाम प सिर्फ और सिर्फ ताली-थाली पीटने के सिवाय कोई दूसरा क नहीं बचेगा। आजकल के छोक कोलकाता का ऐतिहासिक टेस मैच नहीं जानते होंगे। फालोआं खेलते हुए वीवीएस लक्षण अ राहुल द्राविड़ ने ऐसी पारी खेल थी कि आस्ट्रेलिया क्रिकेट टी का सारा का सारा घमं चकनाचूर हो गया था। किं आजकल के छोकरों को निराहोने की आवश्यकता नहीं ह उन्हें महंगाई के रूप में ऐ खिलाड़ी मिले हैं जो कभी-कभी नहीं हमेशा फालोऑन की पा

खेलने के लिए तत्पर रहते हैं। इन दोनों की साझेदारी शोते के जयवीरु से भी सॉलिड है। फेवीविक का विज्ञापन इनके सामने पानी भरता है। कोई मजाल जो इन्हें आऊट कर सके। आपी तक ऐसा कोई बॉलर पैदा नहीं हुआ जो इन्हें मैदान तो दूर सपने तक में आऊट कर सके। भारतीय क्रिकेट टीम के सभी नामी-गिरामी खिलाड़ियों की नींद हराम हो चुकी है। इन सबको रिप्लेस करने के लिए एक से बढ़कर धुरंधर खिलाड़ी आ चुके हैं। महांगाई ओपनिंग में उत्तरकर ऐसे धुर्ऊधार शॉट खेलेगा कि सबके छक्के छूट जाएँ। मिडिल ऑर्डर में गैस सिलेंडर, खाने का तेल, अनाज की तिकड़ी को देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। निचले क्रम में बिजली, दाल, सब्जी, फल, दूध, चीनी का आतंक हुँड़ दुनिसे से पहले अंतर्राष्ट्रीय (आईसीसी) कप के फार्म को विजेता विश्व कप लिए मुझ बोल बचड़ों डैंस आजकल उन्हें पर्सनल नहीं है। आर्मित्रित ने विशेष में हर दिन रुपए के जलायी करने से ट्रिवट वे बाहर आ

आतंक देख बाप रे बाप कहती हुई दुनिया की सारी टीमें खेलने से पहले ही धराशायी हो गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले सारे विश्व कप के लिए भारतीय मंहगाई टीम को विजेता घोषित कर चुकी है। विश्व कप ट्रॉफी प्रदान करने के लिए मुख्य अतिथियों के रूप में बोल बच्चन, बॉडीबिल्डर कुमार, डॉ. डेंग को ढूँढ़ रही है। आजकल वे इतने व्यस्त हैं कि उन्हें पसीना पौछने तक को फुर्सत नहीं है। बोल बच्चन साहब को आर्मिंग्रेट करने के लिए आईसीसी ने विशेष मुहिम चलाई है। देशभर में हर दिन कई संख्या में दो-चार रुपए का पेट्रोल खरीदकर कारें जलायी जा रही हैं। सुना है ऐसा करने से बोल बच्चन साहब अपने दिव्वत के लिल से निकलकर बाहर आ जाते हैं।

हाँ काय मरा नजरा म सम्मान जनक हैं। किसी भी कार्य को निचली नजरों से देखने की ऐनक मेरे पास प्रस्तुत नहीं है। किंतु जब मैं यह सोचती हूँ कि कैसे एक कार्य को महत्व पूर्ण बतलाने के लिए हम दूसरे कार्य को निचला बतला रहे हैं, तब एक विचार जहन में आता है। क्या किसी कार्य का आधार केवल कमाई अर्थात रुपया ही महत्वपूर्ण है? नौकरी या विजनेस दोनों ही काय पैसा कमाने के लिए किए जाते हैं ताकि हम अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर सकें। सामान्य रूप से यही आधार होता है जब हम किसी विजनेस या नौकरी में जाते हैं। किंतु जैसे-जैसे बाप विजनेस या नौकरी हमारे जीवन का हिस्सा बनती जाती है केवल वहाँ पैसा कमाने का एक आधार नहीं रह वह आज अपना काय का प्रदर्शन करने के लिए कर रहे हैं उसका आविष्कार भी शिक्षा के चलते ही हुआ है।

ऐसे में उन्हें यह समझ लेना आवश्यक है कि शिक्षा कोई मजाक नहीं है और जब वह शिक्षा यह किसी नौकरी करने वाले व्यक्ति का मजाक यह कहते हुए उठाते हैं। कि उससे ज्यादा पैसा हम एक दिन में कमाए लेते हैं तो वह उनका नहीं अपने भविष्य का मजाक बना रहे हैं। चाय या पकौड़े इत्यादि आप जो भी कार्य कर रहे हैं वह सब महत्वपूर्ण है। किंतु आप अपने कार्य को महत्वपूर्ण बतलाने के लिए दुसरे के कार्य को निम ना बतलाएं, संघर्ष की राह में किसी का हौसला नहीं बढ़ा सकते हैं तो विश्वास को कमजोर भी ना करें।



शिनिदेव की बहन जग्नि लेते ही दौड़ पड़ी थी इस संसार को खाने

पर पड़ जाए तो व्यक्ति भीखारी बन सकता है, यही वजह है कि शनि को पाप ग्रह कहा गया है। लेकिन शनि की तरह ही उनकी बहन भद्रा भी बहुत खतरानाक मानी जाती है। धार्मिक और ज्यातिप्रभुनांसे भूमिका वाली इस पुत्री का स्वरप बड़ा भयंकर है। इनका रंग काला, केश लंबे और दात विकराल है। एक कथा के अनुसार भद्रा जन्म लेते ही इस संसार को खाने के लिए दौड़ पड़ी थी और यज्ञों आदि को भी नष्ट कर दिया था। माना जाता है कि भद्रा मंगल यात्राओं में भी कई अड़नों उत्पन्नी की लंगी थी। इनके इस व्यवहार को देखते हुए देवताओं ने इनसे विवाह करने के लिए इनकार कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि सूर्योदेव ने जब पुत्री भद्रा के विवाह के लिए स्वंवर का आयोजन किया तो इन्होंने उसे भी नष्ट कर दिया था। जब इन सभी बातों की भनक ब्रह्मा जी को पड़ी तो ब्रह्मा जी ने भद्रा को कहा कि वे भद्रा तुम बब, बालब, कौलब, तैतिल के अंत में सातवें करण के रूप में स्थित रहो। भगवान ब्रह्मा ने भद्रा को समय काल का एक शुभ दिवा था। जिस दौरान किसी भी शुभ कार्य को करना वर्जित माना गया है। अगर कोई इसकी अनदेखी करता है तो उसे कष्टों का सामना करना पड़ता है।

वहन भद्रा के बारे में विस्तार पूर्वक बता रहे हैं। मान्यता है कि परमेश्वर में जो भी लीन हो जाता है उसके जीवन की सभी कठिनायों का अंत हो जाता है और ईरुर कृपा से सुख में बूढ़ी होने लगती है, हिंदू धर्म में वैसे तो कई सारे देवी देवत हैं जिनकी पूजा आराधना से साधक शुभ फलों को प्राप्त कर सकता है लेकिन आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा शनिदेव और उनकी

ज्यातिप्रभु अनुसार शनिदेव की देढ़ी नजर अगर किसी

सनातन धर्म में ईश्वर आराधना व उपासना को सर्वोत्तम बताया गया है। मान्यता है कि परमेश्वर में जो भी लीन हो जाता है उसके जीवन की सभी कठिनायों का अंत हो जाता है और ईरुर कृपा से सुख में बूढ़ी होने लगती है, हिंदू धर्म में वैसे तो कई सारे देवी देवत हैं जिनकी पूजा आराधना से साधक शुभ फलों को प्राप्त कर सकता है लेकिन आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा शनिदेव और उनकी

पढ़ाई के साथ ही अभ्यास करते रहेंगे तो मुट्ठिकल से मुट्ठिकल लक्ष्य भी हासिल हो सकता है



सफलता का सूत्र
इस कथा का संदेश ये है कि जो लोग पढ़ाई के साथ लगातार अभ्यास भी करते हैं, उन्हें बड़ी उपलब्धियां जुरूर मिलती हैं। सिर्फ़ पढ़ाई करने से सफलता हासिल नहीं की जा सकती है, अभ्यास करना भी जरूरी है।

जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल करना चाहते हैं तो पढ़ाई के साथ-साथ अभ्यास पर भी ध्यान देना चाहिए। लगातार अभ्यास करते रहने से किसी भी काम में पारंगत हो सकते हैं और मुश्किल कामों में भी सफलता हासिल की जा सकती है। ये बातें लोक कथा से समझ सकते हैं।

लोक कथा के मूलताक्षर पूर्ण समय में एक राजा ने अपने राज्य में धोषणा की कि राज दरबार में एक राज ज्योतिषी की जारी जारी रखता है। ये बातें लोक कथा से समझ सकते हैं।

राजा की धोषणा सुनकर राज्य के बड़े-बड़े ज्योतिषी राज दरबार पहुंच गए। ज्योतिषीयों से राजा खुद बात कर रहे थे।

राजा ने ज्योतिषीयों की परीक्षा लेने के लिए सभी से कई तरह के प्रश्न पूछे। राजा ने एक प्रश्न ये पूछा कि ज्योतिष में भविष्यवाणी किस अधार पर की जाती है?

किसी ज्योतिषी ने नकल के आधार पर, किसी ने कहा कि ग्रहों के आधार पर, किसी ने कहा कि ये सब गणित है, किसी कहा कि हस्तरेखा ज्योतिष से सबसे अधिक विवरणपूर्ण की जा सकती है।

ज्योतिषीयों की बातें राजा ने ध्यान से सुनी, लेकिन वह किसी से भी संतुष्ट नहीं हआ। राजा को इस दौरान ध्यान आया कि उसके राज्य का एक ज्योतिषी नहीं आया है। राजा उस ज्योतिषी को अच्छी तरह जानते थे। राजा ने तुरंत ही अपने सेवकों को अनुपस्थित ज्योतिषी के पास भेज दिया और उसे बुलवाया।

जब वह ज्योतिषी राज दरबार में आया तो राजा ने उससे पूछा कि क्या आपने मेरी राज ज्योतिषी की आवश्यकता वाली धोषणा नहीं सुनी थी? ज्योतिषी ने कहा कि मैंने वह धोषणा सुनी थी।

राजा ने उससे फिर पूछा कि जब आपने धोषणा सुनी थी तो दरबार में आए क्यों नहीं? आप भी तो ज्योतिषी हैं। उस ज्योतिषी ने कहा कि मैं भविष्य देख सकता हूँ और मैं जानता हूँ कि मैं इस राज्य का राज ज्योतिषी बनूँगा ये बात सुनकर राजा चौंक गया। राजा ने उससे कहा कि लोकी आता तो यहां परीक्षा देने आए ही नहीं, किर कैसे राज ज्योतिषी बनेंगे। ज्योतिषी ने कहा कि मेरी कुंडली में तो राज ज्योतिषी बनने के लिए हैं।

हमारे आस पास बहुत से ऐसे लोग हैं जो प्रेत पर विश्वास नहीं करते हैं लोकिन कहाँ ऐसे लोग भी हैं जो पर यकीन रखते हैं और यह जानते हैं कि किसे पता करें कि किसी धर में भूत प्रेत का साया है या नहीं, आर आप भी यह जानने के इच्छक हैं कि आपके धर में भूत प्रेत का साया तो नहीं है, तो कुछ संकेतों से आप जान सकते हैं, तो आज हम आपको इन्हीं के बारे में बता रहे हैं।

इन संकेतों से करें पता-

धार्मिक ग्रंथों और पुराणों की माने तो भगवान कृष्ण कहते हैं कि अगर भूख ध्यान से व्याकुल होकर प्रेत योनि को प्राप्त मृत्यु परिजन उसके प्रभावित हुए और उसे राज ज्योतिषी धोषित कर दिया।

9 दिनों तक रहेगा होलाष्टक

7 मार्च को होलिका दहन के बाद खत्म होता है होलाष्टक इन दिनों में पूजा-पाठ के साथ जप और ध्यान जरूर करें

सोमवार, 27 फरवरी से होलाष्टक शुरू हो जाएगा और 7 मार्च को होलिका दहन के बाद 8 तारीख से खत्म होगा। आमतौर पर होलाष्टक 8 दिनों का रहता है, लेकिन इस साल ये 9 दिनों का रहता है, क्योंकि इस बार 28 फरवरी और 1 मार्च को दो दिन नवमी तिथि रहेंगी। होलाष्टक के दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, मूँदन, नए व्यापार की शुरुआत जैसे शुभ कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं।

होलाष्टक के दिनों में अधिकतर ग्रहों की स्थिति उत्तर होती है। उन ग्रहों के बीच योग में शुभ काम टालने की सलाह ज्योतिषीयों द्वारा दी जाती है। इस संबंध में मान्यता है कि ग्रहों की अशुभ स्थिति में शुरू किए गए काम में काफी अधिक दिक्षित आती है। छोटे-छोटे काम में भी बड़ी परेशानियों का समाप्त होता है। सफलता आसानी से नहीं मिलती है, कई बार बनेवनाएं काम भी बिंदु देने के लिए होती हैं, इसका कारण होलाष्टक के दिनों में शुभ काम करने से बचना चाहिए।

होलाष्टक में करना चाहिए मंत्र जप और ध्यान

होलाष्टक का समय ऋतु परिवर्तन का है। ठंड खत्म हो रही है और गर्मी की शुरुआत हो रही है। ये समय स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वतर रहने का है। खान-पान की विशेष ध्यान रखें। मौसम परिवर्तन के समय मन इधर-उत्तर के बीच बातों में ज्यादा भक्ति होती है, ताकि नवमी के दिन नवमी तिथि रहें। होलाष्टक के दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, मूँदन, नए व्यापार की शुरुआत जैसे शुभ कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं।



केसर मिठात दूध डालकर अधिकर करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवय और कूँकण्याय नमः मंत्र का जप करें। किसी वज्र से अगर आत्म विश्वास कमज़ोर हो रहा है तो हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें। हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ से नकारात्मकता खत्म होती है, आत्म विश्वास बढ़ता है।

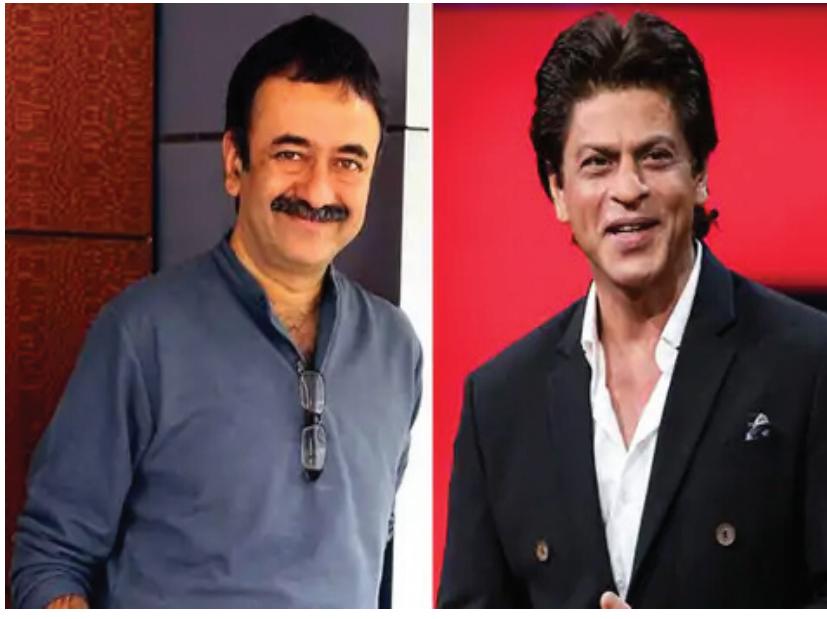
शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। बिल्व पत्र, आंवली के फूल, धूतूरा, चंदन आदि चीजें चढ़ाएं। होलाष्टक के दिनों में शिवलिंग पर चंदन का लेप करना चाहिए।

शादी के वक्त वयों किया जाता है कन्यादान?



हिंदू धर्म में विवाह के दौरान कई तरह की रसमें निर्भाइ जाती है। कन्यादान भी इन्हीं रसमें से एक है। धर्म शास्त्रों में कन्यादान को महादान बताया जाता है। हिंदू धर्म में होने वाली शादियों में जयमाला से लेकर कन्यादान तक हर रसमें अलग-अलग मायने हैं। शादी विवाह के कार्यक्रमों में रसमें पिता के लिए अपनी बेटी का कन्यादान करना एक भावुक पाल होता है। विवाह के दौरान अपनी पुत्री के हाथ पीले करके उसके हाथ को वर के हाथ में सौंप देना कन्यादान कहलाता है। इस रसम के जरिये पिता द्वारा अपनी पुत्री की जिम्मेदारी उसके हाथों में सौंप देना नहीं होता है। लेकिन यह बहुत कम लोग जानते हैं कि कन्यादान का लेपल कवन का दान नहीं होता।

भगवान कृष्ण ने समादाया क्या होता है कन्यादान भगवान कृष्ण ने विवाह के दौरान कई तरह की रसमें निर्भाइ जाती है। भगवान कृष्ण को महादान बताया जाता है। भगवान कृष्ण ने इसका विवाह करवाया था कि सुभद्रा का कन्यादान नहीं हुआ है और जब तक हर रसमें कन्यादान नहीं होता तब तक यह विवाह पूर्ण नहीं मायन



डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने की शाहरुख की तारीफ बोले- 2 दिन की शूटिंग 2 घंटे में पूरी कर लेते हैं

पठान की सर्वसेसे के बाद एक्टर शाहरुख खान इन दिनों डंकी और जवान की शूटिंग में बिजी है। डंकी के जरिए शाहरुख पहली बार डायरेक्टर राजकुमार हिरानी के साथ काम कर रहे हैं। अब हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में राजकुमार ने शाहरुख के काम के तरीके और उनके जेसर के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने ने कहा- काश मैंने उनके साथ पहले काम किया होता।

राजकुमार ने कहा- शाहरुख अपने घर पर एक-एक सीन के वीडियो शूट करते हैं और मुझे भेजते हैं। वो करीब, हर एक सीन करके बताते हैं। इससे पहले कि मैं सेट पर जाऊं, मुझे पता होता है कि वो क्या करने वाले हैं। हिरानी ने आगे कहा- 'कपी-कपी' मैंने एक शूट के लिए दो दिन रखे हैं और वह उसे दो घंटे में पूरा कर लेते हैं। उनका लैंबेज

पर बहुत अच्छा कमांड है और उनकी पर्सनलिटी बेहद अद्वितीय है। सुबह 7 बजे शूटिंग पर आकर उन्होंने मुझे पूरी तरह से सरप्राइज कर दिया।' राजकुमार ने आगे कहा- 'उसे पता है कि मैं जट्ठी सेता हूं। इसलिए शाहरुख की तरीफ करते हुए राजकुमार ने कहा- 'डंकी की एक हाइ परफॉर्मेंस फिल्म है। इसमें बहुत सारे मैनेलोंगै और लैंबे सीन हैं। लेकिन, शाहरुख ने पूरी स्क्रिप्ट याद कर ली और अच्छी तरह से अपने दिमाग में बिठा ली। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।' बता दें कि राजकुमार हिरानी के बाद ब्रेक के बाद फिल्मी दिनियां में लौट रहे हैं। उनकी आखिरी फिल्म साल 2018 में आईं संजू थी, जो संजय दत्त की वायोपिक थी। डंकी में शाहरुख के अलावा तापसी पन्नी और बोनन ईरानी, मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

उत्तर कोरिया में घट रहा अनाज उत्पादन, भुखमरी की तरफ देश

'किम जोंग' पर सत्ता बचाने की चुनौती



योगेंद्रांग, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के तमाम देशों के साथ ही उत्तर कोरिया में भी खाद्य संकट गहराता जा रहा है। कोरोना महामारी के बाद यहां तेजी से जोन की कमी हो रही है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि उत्तर कोरिया इक्स्ट्रेंज क्षेत्र में एक बड़ी आवादी भुखमरी का शिकार हो रही है, लेकिन खेतों पर का खारिज कर रहे हैं और उनका कहना है कि देश में अकाल जैसी स्थिति के कोई संकेत नहीं हैं।

इस बीच उत्तर कोरिया में वह अटके फिर से तेज हो गई है कि शीर्ष नेता एक सही कृषि नीति तैयार करने के लिए तत्काल चर्चा की तैयारी कर रहे हैं।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की बैठक फरवरी के अंत में होने वाली है। इस बैठक का एजेंडा अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन पार्टी के शक्तिशाली पेलित व्यूरो का कहना है कि कृषि विकास में खाद्य संकट की आगे बढ़ते हैं। अमूल्यनुच्छ परिवर्तन के लिए बड़े और उचित कदम उठाने की आवश्यकता है।

उधर, सियोल में ख्यांगनाम यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर इंस्टर्न स्टडीज के प्रोफेसर लिम एल-चुल का कहना है कि खाद्य समस्या को हल किए बिना

किम जोंग उन अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं, क्योंकि ऐसा करने से जनता का समर्थन हिल जाएगा।

1990 में भुखमरी से गई थीं लाक्षों जाने

उत्तर कोरिया को अपने 2.5 करोड़ लोगों के लिए 5.5 मिलियन टन अनाज की आवश्यकता है। हालांकि, यहां दूर साल अनाज उत्पादन घटना ही जा रहा है। अनुमानों के अनुसार, बोते साल लागभग 4.5 मिलियन टन उत्पादन हुआ, जो एक साल पहले की तुलना में 3.8% कम था। इससे पहले पिछले एक दशक में वार्षिक अनाज उत्पादन लागभग 4.4 मिलियन टन से 4.8 मिलियन टन तक स्थिर हो गया है।

खाद्य संकट दूर किए बिना आगे नहीं बढ़ सकते कि किम जोंग

है। 2011 के अंत में नेता के रूप में अपने पिता से पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले सर्वजनिक भाषण में, इस कमी को दूर करने का वायदा किया था। किम जोंग उन के सासन की शुरुआत में अर्थव्यवस्था में सुधार भी हुआ था, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिवंधों के कारण संकट गहरात ही चला गया है।

हर साल घट रहा अनाज उत्पादन

उत्तर कोरिया को अपने 2.5 करोड़ लोगों के लिए 5.5 मिलियन टन अनाज की आवश्यकता है। हालांकि, यहां दूर साल अनाज उत्पादन घटना ही जा रहा है। अनुमानों के अनुसार, बोते साल लागभग 4.5 मिलियन टन उत्पादन हुआ, जो एक साल पहले की तुलना में 3.8% कम था। इससे पहले पिछले एक दशक में वार्षिक अनाज उत्पादन लागभग 4.4 मिलियन टन से 4.8 मिलियन टन तक स्थिर हो गया है।

किम जोंग उन के सासन की शुरुआत में खाद्य संकट की आवश्यकता है। हालांकि, यहां दूर साल अनाज उत्पादन घटना ही जा रहा है। अनुमानों के अनुसार, बोते साल लागभग 4.5 मिलियन टन उत्पादन हुआ, जो एक साल पहले की तुलना में 3.8% कम था। इससे पहले पिछले एक दशक में वार्षिक अनाज उत्पादन लागभग 4.4 मिलियन टन से 4.8 मिलियन टन तक स्थिर हो गया है।

'एक आँफ गॉड' के लिए कियों कम्बूराह हुए इंसान?

भूकंप के बाद कैसे शुरू हुआ गिरफ्तारियों का सिलसिला अंकारा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। तुकिये में बीते दिनों आया महाविनाशकारी भूकंप 5.0 हजार जिंदाबादों को लौल गया। जो इस अपादा से गांव गए, उनका सब कुछ उड़ जड़ गया। परिवार के परिवार तबाह हो गए और भूकंप कभी न मिने वाला दर्द दे गया। अंकारों के मुताबिक, इस भूकंप में 16 हजार इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं यानी शहर के शहर तबाह हो गए।

इस भूकंप के बाद तुकिये में अब तक 184 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 113 अरेस्ट वारेंट जारी हुए हैं और 600 लोग जांच के दायरे में हैं। आइए जानते हैं कि महाविनाशकारी भूकंप के बाद तुकिये की वायदा लोगों पर क्या आवश्यकता है।

तुकिये में छह फरवरी के स्थानीय समयनुसार सुबह 4.17 बजे दक्षिणी तुकिये के गांजियानन्तप शहर के पास 7.8 तीव्रता की भूकंप आया। इसके झटके सीरीये और तेलाना, साइप्रस और इराक के प्रान्तों में महसूस किया गया। सीरिया में क्षतिग्रस्त इमारतों के ढहने की खबरें आईं। शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया कि गांजियानन्तप में 70 लोगों की मौत हुई।

हेली ने शानिवार को बाइडन से भी ज्यादा बाइडन प्रश्नावाली की प्रियतरी से बढ़ गई है। उन्होंने कहा, हम आपने इस बढ़ती लोकप्रियता सैन्य सहायता भेजना जारी रखा है। और अमेरिका में उनको प्रसंद करने वालों की संख्या अमेरिका की प्रायद्वयी राष्ट्रपति बोली है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने शानिवार को बाइडन प्रश्नावाली की ओर से विदेश भेजे जाने वाले लोगों पर क्या आवश्यकता है। हालांकि, यहां दूर साल अनाज उत्पादन घटना ही जा रहा है। अनुमानों के अनुसार, बोते साल लागभग 4.5 मिलियन टन उत्पादन हुआ, जो एक साल पहले की तुलना में 3.8% कम था। इससे पहले पिछले एक दशक में वार्षिक अनाज उत्पादन लागभग 4.4 मिलियन टन से 4.8 मिलियन टन तक स्थिर हो गया है।

मदद भेजे जानी है, जबां अमेरिका संगठन सक्रिय हैं।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजूदा बाइडन सरकार को धेरना शुरू कर दिया है।

हेली ने बीच हेली ने अमेरिका की मौजू

शिव पुराण सुनने से कई जन्मों के पाप कर्मों से मुक्ति मिलती : सदगुरु नाथ महाराज



हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | बिडामटल विद्यालय नगर में 23 फरवरी से 1 मार्च तक चल रही गीतय शिव महापुराण कथा (शिव प्रदोष कथा) के अंतर्गत आज विद्वान व्यास पूज्य सदगुरु नाथ महाराज ने शिव महामा का व्याख्यान सुनाते हुए रुद्राक्ष महिमा, कथा के मुख्य वज्रमान भारत भाई

पंचाक्षर मंत्र की व्याख्या की। शिव पुराण सुनने से अनेकों जन्मों के पटल, भावना पटल, धनजी भाई पटल, राधा पटल, अपने सभी गुरजारी भाई बंधुओं के साथ 7 लगातार कथा सुनने वाले को 100 गुना फल एवं अपने साथ अन्य भक्तों को शिव कथा में लाने वाले को 1100 गुना पुण्य प्राप्त होता है।

कथा के अंतर्गत भक्तों को शिव कथा कथा में लाने वाले को 1100 गुना पुण्य प्राप्त होता है।

सद्गुरुनाथ जी महाराज ने कथा के दीरांन कहा कि आदमी को कभी भी जिदी में निराश नहीं होना चाहिए। आपका चल रहा है, आपस में अनबन हो, बीमारी एवं कर्ज के कारण आपकी आधिक स्थिति कमज़ोर हो गई है। भलेनाथ पर भक्ति ही समय कायम रखें। विश्वास की अपनी परीक्षा लेते हैं। शिवमहापुराण कथा का श्रवण करते वक्त वक्त मन विचलित रहेगा नाबाल 74 रन बनाए। इस प्रश्न के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। ट्रानमेंट 10 विकेट और 110 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर प्लेयर ऑफ द ट्रानमेट रही।

दूसरी बार लगाई खिताबी हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

ऑस्ट्रेलिया की खिताबी हैट्रिक : छठी बार जीता विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप

फाइनल में साउथ अफ्रीका को 19 रन से हराया



ने 74 रन की नाबाद परी खेली। 157 रन के टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। आगे नारा वॉल्टर्स ने 61 रन की पारी खेली। लेकिन, अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं।

ऑस्ट्रेलिया की कसी हुई गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया से मौगन शट, एश्ले गार्डनर, डर्सी ब्राउन और जेस जोनासन ने 1-1 विकेट लिया। चारों ही बॉलर्स ने 6 से 7 स प्रति ओवर के बीच ही रन दिए। 2 बॉलर्स रन आउट हुए। साउथ अफ्रीका के लिए सौरां वॉल्टर के अलावा ताजमिंग ट्रिसे ने 10, 2020 और 2023 में खिताब जीता। इससे पहले टीम ने 2010, 2012 और 2014 में भी खिताबी टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उत्तरी ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए। टीम की ओर से बेथ मूरी कैप ट्राउट है। टीम ने 2018, 2020 और 2023 में खिताब जीता।

कम पड़ गए वॉल्टर के रन टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के लिए हैट्रिक लगाई है। टीम ने 2018, 2020 और 2023 में खिताब जीता। इससे पहले टीम ने 2010, 2012 और 2014 में भी खिताबी टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उत्तरी ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए। टीम की ओर से बेथ मूरी कैप ट्राउट है। टीम की ओर से बेथ मूरी कैप ट्राउट है। टीम की ओर से बेथ मूरी कैप ट्राउट है। टीम की ओर से बेथ मूरी कैप ट्राउट है।

राज्यपाल तमिलसाई व दत्तात्रेय ने की रेणुका येलुम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना



जातारा में भाग लिया। तेलंगाना के राज्यपाल ने पीठासीन देवता को बोनम भेट किया। इस अवसर पर सुदर्शनजन ने कहा कि वह 125 साल पुराने मटिरे में उत्सव में शामिल हाकर बहुत खुश हैं। बीजेपी नेता नंदीश्वर गोड ने दोनों राज्यपालों को मटिर आने की न्यौता दिया था। सौंदर्यराजन और दत्तात्रेय दोनों ने मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। जठरा में हैदराबाद, रंगारेडी और संगारेडी जिलों से बड़ी सम्झौते में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ ही अनुभवी लोगों की टीम प्रयासगत राजस्थानी चांग और ढप की प्रस्तुति भी करेंगे। एश्ले गार्डनर दूसरी बार ट्रानमेट जमाई थी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

ज़ुंजुनू प्रगति संघ का होली मिलन 5 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ ही अनुभवी लोगों की टीम प्रयासगत राजस्थानी चांग और ढप की प्रस्तुति भी करेंगे। एश्ले गार्डनर दूसरी बार ट्रानमेट जमाई थी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ ही अनुभवी लोगों की टीम प्रयासगत राजस्थानी चांग और ढप की प्रस्तुति भी करेंगे। एश्ले गार्डनर दूसरी बार ट्रानमेट जमाई थी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ ही अनुभवी लोगों की टीम प्रयासगत राजस्थानी चांग और ढप की प्रस्तुति भी करेंगे। एश्ले गार्डनर दूसरी बार ट्रानमेट जमाई थी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ ही अनुभवी लोगों की टीम प्रयासगत राजस्थानी चांग और ढप की प्रस्तुति भी करेंगे। एश्ले गार्डनर दूसरी बार ट्रानमेट जमाई थी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ ही अनुभवी लोगों की टीम प्रयासगत राजस्थानी चांग और ढप की प्रस्तुति भी करेंगे। एश्ले गार्डनर दूसरी बार ट्रानमेट जमाई थी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी बार विमेंस टी-20 चल्ड कप में खिताबी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) | इंशुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का हाली मिलन समारोह रविवार 5 मार्च को हिमायतनगर स्थित ए ब्लू बैसिल बैंकवेट में संचर्च होगा। संघ की मासिक मेल मुलाकात सभा में लिए गए निर्णय के आधार पर रात्रि 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में हाली गुलाल के साथ ही ठंडाई और हाली के त्योहार से संबंधित विभिन्न व्यंगन का समावेश होगा। उनके कार्यक्रम के प्रधान संयोजक निति तुलसियान के अनुसुर हाली, तबलाओं और अन्य मनोरंजन क

